

उत्तरांचल शासन
औद्योगिक विकास अनुभाग-1
संख्या: 2594 /VII-1/06/24-रिट/2006
देहरादून : दिनांक: 20, जून, 2006

पंजीकृत

कार्यालय ज्ञाप


जनपद व तहसील-बागेश्वर के ग्राम कुनौली सुनेडा आदि में 8.38 वर्ग किमी० क्षेत्र में सोपस्टोन के प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस प्राप्त करने हेतु खनिज परिहार नियमावली, 1960 के अन्तर्गत आवेदक श्री हरमिन्दर सिंह पुत्र भगत सिंह, निवासी न्यू फ्रैण्ड्स कालोनी, दिल्ली का आवेदन पत्र दिनांक रहित जिलाधिकारी, बागेश्वर कार्यालय में प्राप्त 16.08.1995 आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

आवेदक द्वारा अपना उक्त आवेदन अपूर्ण औपचारिकताओं के साथ किया गया। आवेदन पत्र में पायी गयी कमियों के निराकरण हेतु आवेदक को उप जिलाधिकारी, बागेश्वर द्वारा पंजीकृत डाक से सूचना प्रसारित की गयी परन्तु वर्णित पत्र पर उनके द्वारा निवास न करने के कारण पंजीकृत पत्र मूलरूप में वापस आ गया। आवेदक द्वारा अपना भत्ता बदलने की कोई सूचना जिलाधिकारी, बागेश्वर को प्रेषित नहीं की गयी।

खनिज परिहार नियमावली, 1960 के नियम 12(1) के अन्तर्गत प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस की स्वीकृति हेतु प्राप्त आवेदन पत्र को निरस्त करने से पूर्व आवेदक को सुनवाई का अवसर (अधिकतम एक माह) दिये जाने का प्राविधान है, जो कार्यवाही जिलाधिकारी, बागेश्वर स्तर से पूर्व की गयी, को दृष्टिगत रखते हुए शासनादेश संख्या: 759/सात/04/120-ख/04, दिनांक 29 दिसम्बर, 2004 के माध्यम से आवेदक श्री हरमिन्दर सिंह पुत्र भगतसिंह के उक्त आवेदन पत्र को निरस्त कर दिया। उक्त शासनादेश दिनांक 29 दिसम्बर, 2004 के अनुपालन में जिलाधिकारी, बागेश्वर द्वारा विज्ञापित संख्या: 306/तीस-खनन/2004-05, दिनांक 22 जनवरी, 2005 के माध्यम से इच्छुक व्यक्ति/संस्थाओं को उक्त क्षेत्र में प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए।

उक्त निर्णयों को चुनौती देते हुए जसदीप कौर व तीन अन्य द्वारा रिट याचिका संख्या: 253(एम/बी)/2006 के माध्यम से मा० उच्च न्यायालय, नैनीताल में रिट याचिका दाखल की गयी। उक्त जाद के सम्बन्ध में मा० उच्च न्यायालय की मा० डिविजन बेंच के अन्तरिम आदेश दिनांक 10.03.2006 द्वारा हुए याचिका के नोटिस के संदर्भ में वांछित अभिलेख प्रस्तुत करने हेतु दिनांक 10.03.2006 से एक माह का समय दिया था परन्तु श्री हरमिन्दर सिंह द्वारा मा० उच्च न्यायालय द्वारा उक्त आदेश दिनांक 10.3.2006 द्वारा दी गयी एक माह की समयसीमा जो कि 09.04.2006 को समाप्त हो गयी, तक वांछित अभिलेख जिलाधिकारी कार्यालय, बागेश्वर या शासन में प्रस्तुत नहीं किये गये।

अतः श्री हरमिन्दर सिंह पुत्र श्री भगत सिंह के प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस हेतु प्रस्तुत उक्त आवेदन पत्र दिनांक रहित (जिलाधिकारी कार्यालय में प्राप्त 16.08.1995) को मा० उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 10.3.2006 के अनुरूप आदेश के दिनांक से एक माह की अवधि में उनके आवेदन पत्र दिनांक रहित में पायी गयी कमियों का निराकरण न करने के कारण एतद् द्वारा अस्वीकृत किया जाता है।



(संजीव चोपड़ा)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 2594 (1)VII-1/06/24-रिट/2006, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. जिलाधिकारी, बागेश्वर।
2. अपर निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, देहरादून।
3. राष्ट्रीय सूचना एवं विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
4. हरमिन्दर सिंह पुत्र भगत सिंह, निवासी न्यू फ्रैण्ड्स कालोनी, दिल्ली।
5. गार्ड फाईल

आज्ञा से,


(संजीव चोपड़ा)
सचिव।